

माहरा सर्व. (देश.) हमारा।

माहली पुं. (देश.) 1. महल अर्थात् अंतःपुर में काम करने वाला सेवक 2. महली, खोजा 3. नौकर, सेवक।

माहवार अव्य. (फा.) प्रतिमास, हर महीने पुं. हर महीने मिलने वाला वेतन, मासिक वेतन वि. हर महीने होने वाला, मासिक।

माहवारी वि. (फा.) मासिक स्त्री. स्त्रियों का मासिक-धर्म।

माहाँ अव्य. (देश.) बीच।

माहाकुल वि. (तत्.) ऊँचे घराने में उत्पन्न, महाकुल।

माहाकुलीन वि. (तत्.) बहुत बड़ा कुलीन।

माहाजनीन वि. (तत्.) 1. जो महाजनों के लिए उपयुक्त हो 2. महाजनों की तरह का।

माहात्मिक वि. (तत्.) 1. महात्मा-संबंधी, महात्मा का 2. जिसकी विशेष महत्ता हो, महात्मा से युक्त।

माहात्म्य पुं. (तत्.) 1. महत् होने की अवस्था या भाव, गौरव, महिमा 2. आदर-सम्मान 3. धार्मिक क्षेत्र में किसी पवित्र या पुण्य-कार्य से अथवा किसी स्थान के महत्व का वर्णन जैसे- एकादशी माहात्म्य, काशी माहात्म्य।

माहाना वि. (फा.) माहवार, मासिक।

माहियत स्त्री. (अर.) 1. भीतरी और वास्तविक तत्व 2. प्रकृति 3. विवरण।

माहिया पुं. (देश.) 1. प्रियतम, प्रिय 2. एक प्रकार का प्रसिद्ध पंजाबी गेयपद जो तीन चरणों का होता है और जिसमें मुख्यतः करुण और शृंगार रस की प्रधानता होती है और विरह-दशा का मार्मिक वर्णन होता है।

माहियाना वि. (फा.) प्रतिमास होनेवाला, मासिक, माहवारी पुं. मासिक वेतन।

माहिर पुं. (तत्.) इंद वि. (अ.) किसी बात या विषय का पूर्ण ज्ञाता, अच्छा जानकार।

माहिष वि. (तत्.) भैंस संबंधी या भैंस का (दूध आदि)।

माहिष-वल्लरी स्त्री. (तत्.) काला विधारा, कृष्ण वृद्धदारक।

माहिषिक पुं. (तत्.) 1. व्यभिचारिणी स्त्री का पति 2. भैंस के द्वारा जीविका निर्वाह करने वाला व्यक्ति।

माहिष्मती स्त्री. (तत्.) वर्तमान मध्य प्रदेश में स्थित एक बहुत पुरानी नगरी जिसे मांधाता के पुत्र मुचकुंद ने बसाया था।

माहिष्य पुं. (तत्.) स्मृतियों के अनुसार एक संकर जाति।

माही स्त्री. (तद्.) एक नदी जो खंभात की खाड़ी में गिरती है स्त्री. (फा.) मछली।

माही-गीर पुं. (फा.) मछली पकड़ने वाला, मछुवा।

माही-पुरत वि. (फा.) जो मछली की पीठ की तरह उभरा हुआ और किनारे-किनारे ढालुआँ हो पुं. एक प्रकार का कारचोबी का काम जो बीच में उभरा हुआ और दोनों ओर से ढालुआँ होता है।

माही-मरातिब पुं. (फा.) मुगल बादशाहों के आगे हाथी पर चलने वाले सात झंडे जिन पर अलग-अलग मछली, सातों ग्रहों आदि की आकृतियाँ कारचोबी की बनी होती थीं।

माहुति स्त्री. (तत्.) माघ महीने की घटा या बादल।

माहूँ स्त्री. (देश.) 1. एक प्रकार का छोटा कीड़ा जो राई, सरसों, मूल आदि की फसल में उनके डंठलों पर फूलने के समय या उसके पहले अंडे दे देता है 2. कनसलाई नाम का कीड़ा।

माहेंद्र वि. (तत्.) 1. महेंद्र-संबंधी, महेंद्र का 2. जिसका देवता महेंद्र हो 3. ज्यो. वार के अनुसार भिन्न-भिन्न दंडों में पड़ने वाला एक योग